B. Com III By Dr. Manoj Kumar

अंकेक्षण (Auditing)

अंग्रेजी भाषा का "आडिट" (Audit) शब्द लैटिन भाषा के "आडिरे" से बना है जिसका अर्थ होता है - सुनना (To hear), प्रारम्भ मे लेखापाल अपने द्वारा किये गये लेखो को किसी अधिकृत व्यक्ति या न्यायाधीश के समक्ष पढकर सुनाता था और वह न्यायाधीश जिसे अंकेक्षक कहा जाता था, लेखो के सम्बन्ध मे अपना मन्तव्य देता था, साथ ही आवश्यकता नुसार जगह-2 पर स्पष्टीकरण कराता था।

प्राचीन काल मे व्यवसाय का आकार छोटा हुआ करता था, फलस्वरूप उनके लेनदेन भी सीमित होते थे, और अंकेक्षक समस्त लेनदेनो को सुनकर ही उनकी शुद्धता एंव सत्यता पर अपना विचार देता था किन्तु वर्तमान मे अंकेक्षक का उद्देश्य काफी व्यापक हो गया है। व्यावसायिक संगठनो के विभिन्न स्वरूप (एकाकी, साझेदारी तथा कम्पनी), व्यापार का बढता हुआ क्षेत्र, नकद व उधार बिक्री की बढती मात्रा आदि ने अंकेक्षण के क्षेत्र को अत्यधिक व्यापक बना दिया है। इस बदलते हुये परिवेश मे अब अंकेक्षण का अर्थ केवल लेनदेन की शुद्धता की जाँच तक ही सीमित नही है बल्कि

Scanned with CamScanner

उसे यह भी स्पष्ट करना होता है कि लेन-देन नियमानुसार किये गये है तथा एक निश्चित तिथि को व्यवसाय की सही आर्थिक स्थिति को प्रकट करते है। अन्य शब्दो मे, अंकेक्षण का आशय लेखांकन सम्बन्धी पुस्तकों (लाभहानि-खाता तथा आर्थिक चिट्ठा) तथा उससे सम्बन्धित प्रपत्रो की जाँच करना है, ताकि इनकी सत्यता, नियमानुकूलता तथा पूर्णता के सम्बन्ध मे जानकारी प्राप्त हो सके। अंकेक्षण उस परिस्थिति मे और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब लेखांकन का कार्य व्यवसाय का स्वामी स्वंय न करके किसी दूसरे व्यक्ति (कर्मचारी) से कराता है।

जिस प्रकार कोई व्यक्ति अपने शरीर की स्वस्थता की जाँच के लिये डॉक्टर से परीक्षण (जाँच) कराता है और डॉक्टर सम्पूर्ण जाँच-पड़ताल के बाद प्रमाण-पत्र देता है कि शरीर स्वस्थ है या नही। इसी प्रकार जब कोई व्यवसायी यह जानकारी प्राप्त करना चाहता है कि उसकी लेखा-पुस्तकें सत्य एवं वास्तविक स्थिति प्रकट करती है या नही तो उसके लिये खाता-पुस्तको की जाँच किसी अंकेक्षक से करायी जाती है। पूरी जाँच-पड़ताल

Scanned with CamScanner

के बाद अंकेक्षक लेखा-पुस्तको की शुद्धता एवं सत्यता के सम्बन्ध मे अपना प्रतिवेदन (Report) प्रस्तुत करता है, इसी क्रिया को अंकेक्षण (Auditing) कहते है।

जे० आर० बाटलीबॉय के शब्दो में -

अंकेक्षण किसी व्यवसाय के लेनदेनो की, पुस्तको की बुद्धिमतापूर्ण एंव आलोचनात्मक जाँच है जो उन प्रपत्रो एवं प्रमाणको की सहायता से की जाती है जिससे वे तैयार की गई हैं। इस जाँच का उद्देश्य यह ज्ञात करना होता है कि संस्था का लाभहानि खाते में दिखाया गया एक निश्चित अवधि का लाभ तथा चिट्ठे मे दिखायी गई व्यापार की वित्तीय स्थिति उन व्यक्तियो द्वारा सही ढंग से निर्धारित व प्रदर्शित की गयी है अथवा नही जिन्होंने तैयार किया है।

उपरोक्त अध्ययन से निम्नलिखित बाते स्पष्ट होती है।

(1) अंकेक्षण लेखा पुस्तको मे किये गये लेनदेनों की जाँच है।

Scanned with CamScanner

(II) लेन-देनों की जाँच प्रमाणकों (Vouchers) तथा सूचनाओं के आधार पर की जाती है।

(III) संस्था का लाभ-हानि खाता सही लाभ व हानि को प्रदर्शित करता है या नहीं।

(IV) संस्था का आर्थिक चिट्ठा वित्तीय स्थिति का सही चित्र प्रस्तुत करता है या नहीं

विशेषताएँ →

(1) एक संस्था का होना
(2) स्वतन्त्र व्यक्ति का अंकेक्षक होना
(3) पुस्तकों की शुद्धता एवं सत्यता की जाँच
(4) प्रमाणकों का प्रयोग
(5) आवश्यक स्पष्टीकरण प्राप्त करना
(6) लाभ-हानि तथा आर्थिक स्थिति का सत्यापन
(7) निश्चित अवधि (Certain Period)
(8) प्रतिवेदन (Report)

Scanned with CamScanner